दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांकः 26.11.2021

प्रकाशनार्थ

दिनांक 26.11.2021 गोरखपुर। रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वाधान में एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गयां जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. महेंद्र कुमार सिंह, सह आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग एवं मीडिया एवं जनसंपर्क अधिकारी, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने कहां की भारत में विश्व की सबसे बड़ी लोकतंत्र व्यवस्था संचालित है यह संविधान हमारा धर्म ग्रंथ है ।क्योंकि आज जिस स्वच्छ एवं स्वतंत्र वातावरण में हम सांस ले रहे हैं। उसके मूल में राष्ट्रीय चेतना का भाव है हमारा संविधान एकता, बंधुता एवं मातृत्व की भावना पर चलने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद–51 का जिक्र करते हुए कहा कि हमारा संविधान विदेश नीति में क्या व्यवहार करता है तथा विदेश नीति को चार काल खंडों में बांटते हुए गांधी जी के कथनों को बताया की जिसमें उन्होंने राष्ट्रवाद को अंतरराष्ट्रीय वाद माना था तथा भारतीय संविधान को आम जन तक पहुंचाने की बात करते थे भारत की विदेश नीति पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि आज भारतीय विदेश नीति सक्रिय, लचीली एवं व्यवहारिक है । जो पहले पंचशील, गुटनिरपेक्षता की नीति पर चलती थी आज भारतीय विदेश नीति उस जगह पर स्थित है जिसको वैश्विक मुद्दों पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी सुना जाता है तथा आम लोग भी विदेश नीतियों पर चर्चा करने लगे हैं जो पहले निष्क्रिय रहा करते थे तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के विषय पर भी चर्चा की आवश्यकता को बताया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ने संविधान दिवस पर बोलते हुए कहा कि आज हम एक गणतंत्र राष्ट्र में रहते हैं जो नियम एवं विनिमय का समुच्चय नहीं है बल्कि लोगों के अधिकारो एवं कर्तव्य को प्रदान करता है तथा आगे बताया कि संविधान तैयार करते हुए संविधान निर्मात्री सभा ने कई राष्ट्रों के संविधानों का अध्ययन करने के बाद हमारे संविधान निर्माताओं ने भारत में ब्रिटेन और अमेरिका के अतिवाद से बचते हुए लोकतंत्र को अपनाते हुए मध्यम मार्ग का अनुसरण किया जो अधिकार केंद्रित संविधान था जिसमें 1976 के 42 वे संवैधानिक संशोधन द्वारा कर्तव्यों की बात कही गई जिससे हम अपने अधिकारों की बात तो करते हैं लेकिन अपने कर्तव्यों के प्रति उदासीन रहते हैं जो चिंता का विषय है ।आज सभी भारतीय नागरिकों को अपने अधिकारों के साथ साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी चिंतन करनी चाहिए जो हमें एक जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए निरंतर अग्रसर करता रहता है।

इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के शिक्षक विकास कुमार पाठक द्वारा किया गया तथा संचालन विभाग के प्रभारी डॉ राम प्रसाद यादव द्वारा तथा आभार ज्ञापन राजनीति विज्ञान विभाग के प्रभारी श्री इंद्रेश कुमार पांडे द्वारा किया गया उक्त अवसर पर डॉ शैलेश कुमार सिंह, डॉ अखिल श्रीवास्तव, डॉ प्रियंका सिंह एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

डॉ. (राम प्रसाद यादव)
प्रभारी
रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग